रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/94 REGD. NO. D.L.-33004/94

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244] नई दिल्ली, शनिवार, मई 14, 1994/वैशाख 24, 1916
No. 244] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 14, 1994/VAISAKHA 24, 1916

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1994

का०आ० 375(अ).—लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (जिसे इसमें इसके पश्चात् एल टी टी ई कहा गया है) वस्तुतः एक ऐसा संगम है जिसकी बुनियाद श्रीलंका में है किन्तु उसके हमदर्द, समर्थक और एजेंट भारत की भूमि पर विद्यमान हैं और —

(i) एल टी टी ई के सभी तमिलों के लिए पृथक स्वदेश के उद्देश्य से भारत की प्रभुता और राज्य क्षेत्रीय अखंडता की आशंका है तथा इस प्रकार यह उद्देश्य विधिविरूद्ध क्रियाकलाप की परिधि में आता है;

(ii) एल टी टी ई ने तमिलनाडु में तमिल नेशनल रिट्रीवल ट्रुप्स (टी एन आर टी) और तमिल पसराई (टी पी) नामक दो पृथकवादी संगठनों का सृजन किया है तथा अपने सदस्यों को भारत में विधिविरूद्ध क्रियाकलाप करने के लिए प्रोत्साहित किया है और सहायता प्रदान की है ;

(iii) भारत में कतिपय व्यक्तियों तथा संगठनों ने अपने विधिविरुद्ध क्रियाकलापों और भारतीय दंड संहिता की धारा 153ख के अधीन दंडनीय क्रियाकलापों के लिए एल टी टी ई से प्रेरणा तथा प्रोत्साहन प्राप्त किया है;

(iv) वस्तुतः एल टी टी ई सभी तमिलों के लिए एक पृथक स्वदेश प्राप्त करने के अपने उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए भारत की प्रभुता और राज्य क्षेत्रीय अखंडता को विच्छिन्न करने के लिए आशयित क्रियाकलापों में लिप्त रहा है :

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से एल टी टी ई एक विधिविरूद्ध संगम है :

और केन्द्रीय सरकार को अन्य बातों के साथ-साथ यह जानकारी है कि :

(क) एल टी टी ई अपने काडरों को अत्याधुनिक आयुध तथा गोलाबारूद से सुसज्जित करके संभार तंत्र सहायता देकर तमिलनाडु में घुसपैठ कराने का प्रयास कर रहा है;

(ख) एल टी टी ई तमिलनाडु में पहले से ही सक्रिय और राज्य में घुसपैठ कर रहे अपने काडरों के लिए शरणस्थलियों उपलब्ध कराने के लिए राज्य में सुरक्षित स्थल स्थापित करने का प्रयास कर रहा है;

(ग) एल टी टी ई तमिल नेशनल रिट्रीवल ट्रूप्स और तमिल पसराई को नैतिक और भौतिक सहायता उपलब्ध करा रहा है। ये दोनों पृथक्तावादी संगठन अपने विघटनकारी तथा आतंकवादी क्रियाकलाप, जिसका उद्देश्य भारत की प्रभुता और राज्यक्षेत्रीय अखंडता को क्षति पहुंचाना है, करने के लिए तमिलनाडु में सक्रिय हैं;

(घ) एल टी टी ई ने तमिलनाडु मे राज्य की अभिरक्षा से अपने काडरों को जबरन छुड़ाने के लिए मजबूत उपस्थिति का अहसास कराया है ;

(ङ) नवम्बर, 1993 और जनवरी, 1994 में, एल टी टी ई के समर्थकों ने सभी तमिलों के लिए एक पृथक स्वदेश हेतु कार्य करने के लिए तमिल युवाओं को प्रेरित करने वाले पोस्टर प्रकाशित किए है;

(च) एल टी टी ई ने राजीव गांधी हत्याकांड में साक्षियों और भारत की आसूचना और अन्वेषण एजेंसियों के अधिकारियों का सफाया करने की धमकियां दी हैं;

(छ) एलटीटीई नवम्बर 1993 और जनवरी 1994 में अपने जर्नल "परिमलाई" में प्रकाशित लेखों और अन्य प्रचार क्रियाकलापों के माध्यम से पृथक्तावादी तमिल भावनाओं को भड़काने के उद्देश्य से भारत सरकार को निरंतर लांछित कर रहा है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि एल टी टी ई के पूर्वोक्त क्रियाकलाप भारत की प्रभुता और अखंडता तथा लोक व्यवस्था के लिए अहितकार है;

और केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि उपर्युक्त परिस्थितियां अभी भी विद्यमान हैं जिनसे एल टी टी ई को तात्कालिक प्रभाव से विधिविरुद्ध संगम घोषित करना आवश्यक हो गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम को विधिविरुद्ध संगम घोषित करती है और उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि यह अधिसूचना, उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किए जाने वाले किसी आदेश के अधीन रहते हुए, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा०सं० 1-11034/9/94-आई एस डी 1(ए)]
सी० फुसांग, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1994

S.O. 375(E).—Whereas the Liberation Tigers of Tamil Eelam (hereinafter referred to as LTTE) is an association actually based in Sri Lanka but having sympathisers, supporters and agents on Indian soil and whereas—

(i) LTTE's objective for a separate homeland for all Tamils threatens the sovereignty and territorial integrity of India and thus falls within the ambit of an unlawful activity ;

(ii) LTTE has created the Tamil National Retrieval Troops (TNRT) and Tamil Paasarai (TP), two secessionist organisations in Tamil Nadu and encouraged and aided its members to undertake unlawful activities in India;

(ii) Certain persons and organisations in India draw inspiration and encouragement from LTTE for their unlawful activities as well as activities punishable under section 153B of the Indian Penal Code ;

(iv) LTTE has indeed indulged in activities intended to disrupt the sovereignty and territorial integrity of India in furtherance of its objective of achieving a separate homeland for all Tamils ;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the LTTE is an unlawful association ;

And, whereas, the Central Government has inter-alia information that :

(a) LTTE is trying to infiltrate its cadres, supported with sophisticated arms and ammunition and with logistic support, in Tamil Nadu ;

(b) LTTE is trying to establish safe houses in Tamil Nadu for providing sanctuaries to its cadres already operating in the State, and those infiltrating into the State ;

(c) LTTE is providing moral and material support to Tamil National Retrieval Troops and Tamil Passarai, both Secessionist organisations operating in Tamil Nadu for carrying out their disruptive and terrorist activities aimed at undermining India's sovereignty and territorial integrity ;

d) LTTE has established strong presence to secure forced release of its cadres from State's custody in Tamil Nadu ;

(e) in November, 1993 and in January, 1994, the supporters of LTTE has published posters inspiring the Tamil youth to work for a separate homeland for all Tamils ;

(f) LTTE has held out threats of elimination of witnesses in the Rajiv Gandhi assassination case and officers of Intelligence and Investigation agencies of India;

(g) LTTE, through articles published in its journal "Erimalai" in November, 1993 and January, 1994 and through other propaganda activities, is continuously maligning the Government of India with the object of arousing separatist Tamil sentiments;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that the aforesaid activities of the LTTE are detrimental to the sovereignty and integrity of India as also public order;

And, whereas, the Central Government is further of the opinion that the above circumstances do exist which render it necessary to declare the LTTE as an unlawful association with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the Liberation Tigers of Tamil Belam to be an unlawful association and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. I-11034/9/94-IS D.I(A)]

C. PHUNSOG, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1994